गर्भावस्था के दौरान जोखिम के लक्षण

परिचय

- अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कोई गंभीर समस्या नहीं होती। गर्भावस्था की सामान्य तकलीफों में छाती में जलन, पीठ दर्द, स्तन की कोमलता एवं सूजन तथा थकान शामिल हो सकती है।

- तथापि, गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जिससे मां, बच्चे या दोनों के जीवन को खतरा हो सकता है।
- यदि महिलाएं नियमित प्रसव पूर्व जांच कराएं तो गर्भावस्था से जुड़ी कुछ समस्याओं से ग्रसित महिलाओं की जल्दी से पहचान करना संभव है।
- खतरे के इन लक्षणों की जानकारी से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को यह जानने में मदद मिल सकती है कि कब किसी गर्भवती महिला को स्वास्थ्य देखरेख प्रदाता से विशेष देखरेख की जरूरत हो सकती है।
- यदि समय पर उपचार प्राप्त नहीं किया जाता है, तो यह महिला या बच्चे अथवा दोनों की मृत्यु या अपंगता का कारण बन सकता है।
- खतरे के लक्षणों वाली गर्भवती महिलाओं को सलाह के लिए फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफ आर यू)/अस्पताल ले जाना चाहिए।

गर्भावस्था के दौरान जोखिम कारक

- छोटे कद की महिलाएं (145 सेमी अथवा 4 फीट 10 इंच से कम)।
- 18 साल से कम अथवा 35 साल के अधिक आयु
- किसी चिकित्सा समस्या जैसे कि हृदय रोग, मधुमेह, टीबी, मलेरिया, रक्त अल्पता तथा अन्य चिकित्सा समस्या का इतिहास
- पहली तिमाही में 38 किलो से कम वजन।
- पिछली गर्भावस्था में समस्याएं (प्रसूति का खराब इतिहास अथवा पिछला सिजेरिएन प्रसव)।
- गर्भावस्था में मलेरिया।
- भ्रूण की धीमी हलचल अथवा हलचल न होना।
- वर्तमान गर्भावस्था में समस्याएं जैसे कि:
  - गर्भावस्था के दौरान किसी भी समय रक्तस्राव
  - असामान्य स्थिति
  - गर्भावस्था से उत्पन्न उच्च रक्तचाप
  - गंभीर रक्त अल्पता
  - जुड़वां बच्चे, अधिक सूजा हुआ गर्भाशय

खतरे के लक्षण :

गर्भावस्था अथवा प्रसव के दौरान रक्तस्राव • गर्भावस्थ के दौरान कोई भी रक्तस्राव अथवा प्रसव के दौरान/प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव मां और/या बच्चे दोनों के लिए जानलेवा हो सकता है। • महिला को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।	
श्वासहीनता सहित या रहित गंभीर रक्त अल्पता • गंभीर रक्त अल्पता से पीड़ित महिलाओं की पलकें, नाखून और हथेलियां पीली होती हैं। उनको श्वासहीनता की समस्या हो भी सकती है और नहीं भी। • इससे अनेक अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जैसे कि प्रसव के समय हृदय का काम न करना, समय से पहले प्रसव और गर्भावस्था के दौरान संक्रमण। • गंभीर रक्त अल्पता से पीड़ित गर्भवती महिला का प्रसव अस्पताल में ही होना चाहिए।	
गर्भावस्था के दौरान अथवा प्रसव के एक माह के अंदर तेज बुखार • इस हालत में उसे तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। • तेज बुखार महिलाओं में किसी संक्रमण का संकेत है। यह पलने वाले शिशु के लिए हानिकारक हो सकता है। • परिवहन के दौरान महिला को ढककर और गरम रखना चाहिए। • बुखार उतारने के लिए गीली, ठंडी पट्टी का प्रयोग किया जाना चाहिए।	
ऐंठन या दौरा, धुंधला दिखाई देना, सिर दर्द, पांव में अचानक सूजन • इस हालत से मां तथा अजन्में शिशु की मृत्यु / मस्तिष्क की क्षति हो सकती है। • इस हालत में भी उसे जल्दी से जल्दी अस्पताल ले जाना चाहिए।	
12 घंटे से अधिक प्रसव पीड़ा की स्थिति में • महिला को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। • महिला की प्रसूति किसी डाक्टर की मौजूदगी में होनी चाहिए।	
प्रसव पीड़ा के बगैर पानी की थैली का फटना • पानी की थैली के फट जाने की स्थिति में महिला और बच्चे को संक्रमण होने की संभावना अधिक होती है। • महिला को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। • महिला की प्रसूति किसी डाक्टर की मौजूदगी में होनी चाहिए।	